RNI No.-MAHBIL/2016/66409
Postal Registration No.-PCE / 089 / 2016-2018
License to Post without
prepayment No.-WPP-255/31.12.2018
Post Customer ID-4000004011

BJS
Bharatiya Jain Sanghatana

भारतीय जैन संघटना समाचार

श्री शांतीलाल मुथ्था
संस्थापक

Editor - Prafulla Parakh

वर्ष 3 अंक 9 | मूल्य - रू.1/- | सितंबर 2018 | पृष्ठ - 8

मिच्छामी दुक्कडम

सबसे क्षमा – सबको क्षमा

संवत्सरी - वीर संवत 2544

'परोस्परोपग्रहो जीवानाम'

BLOCK YOUR DATES
for
NATIONAL CONVENTION
15th -16th December 2018
Venue:
Palace Grounds, Airport Road,
BANGALORE
http://bjsindia.org/Convention/

राष्ट्रीय अध्यक्ष की कलम से.....2
मंथन: हिंसा रहित शांतिमय विश्व की संकल्पना.....3
राष्ट्रीय अध्यक्ष का राज्यों का दौरा.....4
बीजेएस नेशनल बिज़नेस कॉन्क्लेव.....5
विभिन्न शहरों में स्मार्ट गर्ल कार्यशालाएँ 6
अल्पसंख्यक सूचनाएँ एवं समाचार 7

प्रिय आत्मजन,

लोकप्रिय जननायक भूतपूर्व प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी बाजपेई अब हमारे बीच नहीं रहे. भारतीय राजनीति में नवीन आयामों के प्रणेता, सिद्धान्तवादिता के पक्षधर, साफ सुथरी राजनीति के आग्रही, देश ही नहीं समस्त विश्व में प्रख्यात और कुशल राजनीतिज्ञ के रूप में सराहना पाने वाले भारतरत्न श्री बाजपेई का निधन देश के लिए एक बड़ी क्षति है. भारतीय विदेश नीति निर्धारण के विषय में उनकी अपनी तार्किक और परिपक्व विचारधारा से, तत्कालीन सरकारों व शासक पक्षों को अविरत रचनात्मक सहयोग देकर सभी राजनीतिक दलों के साथ देशवासियों के दिल जीतने वाले वह देश के एक मात्र नेता थे. कवि हृदय, अनुशासन प्रिय, उदार व्यक्तित्व के धनी श्री बाजपेई उनकी आकर्षक और प्रभावी भाषण शैली के लिए सदैव स्मरणीय रहेंगे. इस जन-लाडले नेता को बीजेएस परिवार श्रद्धासुमन अर्पित करता है.

सृष्टि के सभी जीवों का ऋतुओं के साथ गहरा नाता है. मानव जीवन को चेतनवंत बनाने में जिस ऊर्जा संचार की आवश्यकता होती है वह ऋतुओं से प्राप्त होती है और इसीलिए भारतीय संस्कृति में ऋतु परिवर्तन को पर्व का दर्जा प्राप्त है. ज्येष्ठ माह की भीषण गर्मी से राहत पाने हेतु वर्षा की प्रतीक्षा हम सभी को चातक दृष्टि से रहती है किन्तु लगता है कि रुष्ट इंद्र देव को कोप भवन अति प्रिय है. इस मौसम में श्रावण मास के समाप्त होने तक देश के अधिकांश भाग वर्षा से भीगने को तरसते रहे. बढ़ते प्रदूषण और हमारे द्वारा हो रही पर्यावरण की अवहेलना का ही यह दुष्परिणाम है. देश की युवा पीढ़ी को 'फ्रेंडशिप डे' मनाने का चस्का गत कुछ वर्षों में लगा और इस वर्ष 5 अगस्त को मित्रों को परस्पर 'फ्रेंडशिप बेंड' पहना कर इसे उत्सवित किया गया. भाई-बहनों के पवित्र रिश्तों का पर्व रक्षा-बंधन 26 अगस्त को हर्षोल्लास के साथ मनाया गया. भाई की कलाई पर स्नेह बंधन रूपी धागा बहिन द्वारा बांधने की परंपरा और भाई द्वारा बहिन की रक्षा संकल्प के प्रतीक का यह एक महत्वपूर्ण सामाजिक पर्व है. एक वृक्ष लगाकर प्रतिवर्ष 'फ्रेंडशिप बेंड' और 'राखी' बांधकर उसकी रक्षा का संकल्प यदि हम 120 करोड़ भारतीय लें तो निश्चित ही पर्यावरणीय असंतुलन के खतरे से इस धरा को बचा पाने के साथ-साथ रुष्ट इंद्रदेव को भी प्रसन्न कर सकेंगे. विभिन्न पर्वों को पारंपरिक रूप से उत्सवित करने के अतिरिक्त उनके महत्व व उनसे मिल रहे संदेश को सामाजिक परिप्रेक्ष्य में हमें अब समझना ही होगा.

मित्रो! दिन प्रतिदिन बढ़ रही हिंसा और हिंसा को दिए जा रहे नए स्वरूपों के कारण शांतिमय विश्व की कल्पना मात्र एक दिवास्वप्न बन कर रह गई है. दुनिया के अनेक देशों के बीच बढ़ रही आपसी रंजिश, एक दूसरे के रक्त से संतुष्ट होती मनुष्यों की तृष्णाएँ, विश्व का यह नया चित्र भले अब अति सामान्य सा लगता है किन्तु वास्तविकता तो यह है कि नैतिक एवं मानवीय मूल्यों के अति ह्रास के परिणामस्वरूप मानव सभ्यताएं विनाश के कगार पर हैं. समभाव, मैत्री, वात्सल्य, सत्य, अहिंसा, करुणा, दया आदि में विश्व के सभी धर्मों का मूल समाहित है, बावज़ूद इसके कुछ भिन्न कारणों और मुख्यरूप से धर्म के नाम पर बढ़ रही असहिष्णुता ही हिंसक वृत्ति का मूल कारण है. आज नितांत आवश्यकता समाज को सहिष्णु बनाने की है, जो जैन धर्म और दर्शन में बतलाये गए क्षमा और मैत्री भाव से संभव है. 'मैत्री भाव जगत में मेरा सब जीवो से नित्य रहे' ऐसी भावना भाना 'क्षमा भाव' रखकर ही संभव हो सकेगा. आईये! हम सब मिलकर उस स्वप्न को यथार्थ में बदलने का प्रयास करें जहां विभिन्न जातियों एवं धर्मों के अनुयाई क्षमा और मैत्री भाव से सुखी और खुशहाल जगत का निर्माण कर सकें, जिसका सूत्र 'परोस्परोपग्रहो जीवानाम' हो.

प्रफुल्ल पारख
राष्ट्रीय अध्यक्ष, भारतीय जैन संघटना

संपादक
प्रफुल्ल पारख, पुणे

कार्यकारी संपादक
निरंजन कुमार जुंवा जैन, अहमदाबाद

सदस्य
कैलाशमल दुगड़, चैन्नई सुरेश कोठारी, अहमदाबाद सुदर्शन जैन, बड़नेरा, वीरेंद्र जैन, इंदौर
महेश कोठारी, गोंदिया, संजय सिंघी, रायपुर, राजेंद्र लुंकड़, इरोड़

मंथन

हिंसा रहित शांतिमय विश्व की संकल्पना क्षमा भाव से संभव

मानव सभ्यताओं के शांतिमय जीवन यापन में सहायरूप बनने एवं सहअस्तित्व की भावना जागृत करने में धर्म सर्वश्रेष्ठ माध्यम है. विश्व में प्रचलित सभी धर्मों में सत्य, अहिंसा आदि अवधारणाओं को सैद्धान्तिक रूप में प्रतिपादित किया गया है. जैन धर्म एवं जैन दर्शन में मानव सभ्यताओं के जीवन यापन के आदर्श तरीकों को वैज्ञानिक स्वरूपों से परिभाषित किया गया है और उन्हें आचरण तथा व्यवहार से दैनिक जीवन क्रम का हिस्सा बनाने हेतु अत्यंत ही स्पष्ट रेखाएँ अंकित की गई हैं. आत्मा के मूल स्वभाव 'क्षमाभाव' को विस्तृत रूप से उल्लेखित ही नहीं किया गया अपितु शांति एवं अहिंसामयी विश्व की संकल्पना में इस भाव को मनुष्य की नित्यचर्या में सुनिश्चित किया गया है.

मानव सभ्यताओं के इतिहास पर दृष्टिपात से यह स्पष्ट है कि उसकी स्थायी अहंकारी मानसिकता ने प्रभुत्व की भावना को जन्म ही नहीं दिया अपितु उसे उतरोत्तर बलवती किया है. इसके परिणामस्वरूप विविध कालो में संघर्ष, हिंसा, घृणा और कुस्पर्धा आदि का बोलबाला रहा है. प्राचीन काल से लेकर अब तक प्रभुत्व की बढ़ती मानसिकता की व्याधि से पीड़ित मानव युद्धों और हिंसा को ही शस्त्र के रूप में प्रयोग करता आया है.

मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है और उसका वसन समाज की परिधि के बाहर संभव नहीं है. समाज वह संस्था है जो शांति और सहस्तित्व की भावना के साथ मनुष्य के सुखी और खुशहाल जीवन जीने का मार्ग प्रशस्त करती है. समाज और सामाजिक अवधारणाओं को पुष्ट करने के दायित्व में मनुष्य के आचरण और व्यवहार के द्वारा 'धर्म' वह व्यवस्था सुनिश्चित करता है जिससे समाज की अवधारणाएँ एवं सिद्धांत अधिक पुष्ट होते हैं.

जैन धर्म में 'क्षमा' को बड़ा गुण धर्म बताया गया है. मनुष्य के मूल गुणों में सर्वोपरि 'क्षमा' है. किन्तु यह भी वास्तविकता है कि मानव व्यवहार पशुतुल्य होता है. यही कारण है कि बुद्धि और विवेक होते हुए भी वह उसका यथोचित प्रयोग नहीं कर पाता है. मन को शांतचित्त रखना, पूर्वाग्रहों और कषायों से पीड़ित न रह कर निष्पक्ष और सरलचित्त बने रहने पर ही आत्मा में धर्म का प्रवेश संभव है. मनुष्य का मूलगुण या स्वभाव 'क्षमा भाव' है जो उसकी आत्मा में धर्म के प्रवेश से पुष्प की तरह खिल उठता है. किन्तु अनादिकाल से मनुष्य क्रोध एवं अहंकार से पीड़ित रहता आया है. क्रोध और अहंकार की विशेषता है कि वह मानव विवेक को दबोच लेता है, जबकि अहंकार और क्रोध रूपी रावण से मुक्ति मात्र क्षमा भाव से ही संभव है.

बादल जब वाष्प से परिपूर्ण होता है तो उसे नियम से बरसना ही होता है. भूमि या अन्य स्थान निश्चित नहीं होता. यही स्थिति क्रोधित मनुष्य की भी होती है क्योंकि वह कब तथा किस पर बरेगा यह उसे भी ज्ञात नहीं होता. क्रोध तथा क्षमा भाव एक दूसरे के प्रबल दुश्मन है. क्रोध को दबाकर मांगी गई या दी गई क्षमा यथार्थ में क्षमा नहीं होती क्योंकि क्षमा मांगना या क्षमा करना दोनों ही निर्मल मन से ही संभव है. क्षमा शर्तहीन होनी चाहिए. क्षमा को सही अर्थो में समझने की आज नितांत आवश्यकता है. जैन धर्म में क्षमा को उत्तमता का दर्जा दिया गया है क्योंकि क्रोध और अहंकार रहित क्षमा मानव के स्वभाव में प्रवेश करने के पश्चात वहां स्थायी हो जाती है. यही उत्तम क्षमा का वास्तविक स्वरूप है. अहंकार जब पिघलता है तब ही हुई भूलों, त्रुटियों आदि को स्वीकार करने की क्षमता विकसित होती है और क्षमा मांगने का आवश्यक मार्ग प्रशस्त होता है. क्षमा मांगने या क्षमा करने की सफल क्रिया सम्पादन के पश्चात शंका और अप्रसन्नता के बादल उस ही क्षण छट जाते हैं और शांति स्पष्ट रूप से प्रवाहित होती है.

दैनिक जीवन मे विवाद, आरोप, प्रत्यारोप आदि से मन व्यथित हो जाये तो अधिकांश मनुष्य सामान्यतः क्रोध व प्रतिशोध की भावना से ग्रसित होकर हिंसक मनोवृत्ति धारण कर लेते हैं. यह मानव स्वभाव की भीषण दुर्बलता है. इन परिस्थितियों से बचने हेतु जैन धर्म सकारात्मक और विस्मयकारी तरीके से क्षमा याचना करने या देने की प्रेरणा देता है. गत कुछ दशको में क्षमा के सिद्धान्त के महत्व को समझा जाने लगा है. आतंकवादी गतिविधियों और वैश्विक हिंसा में हो रही वृद्धि के परिणामस्वरूप सामाजिक एवं मनोवैज्ञानिक स्तर पर जैन दर्शन और उसके क्षमा धर्म को अलग से पहचान मिली है. आधुनिक मनोविज्ञान के दृष्टिकोण से क्षमा बहुआयामी संकल्पना है जो परोक्षज्ञान, व्यवहार एवं भावनाओं के संतुलन का मिश्रण है.

सामाजिक समरसता एवं शांति जैन धर्म के मूल में है जिस हेतु आध्यात्मिक प्रगति के साथ आत्मा के मूल स्वभाव को समझना आवश्यक है. हिंसक प्रवृत्तियों, उग्र आचरण, उद्दंड व्यवहार आदि पर नियंत्रण या उनकी उग्रता कम करने में क्षमा का भाव एवं क्षमा का आचरण एक कारगर शस्त्र है. सृष्टी के सभी जीव परस्पर अवलंबित हैं अतः सहअस्तित्व की भावना के तहत हमारा आचरण और व्यवहार सांसारिक जीवों एवं पर्यावरण के प्रति निर्मल एवं क्षमा के भाव से परिपूर्ण होना ही चाहिए. प्रत्येक मनुष्य के पास क्षमा धरोहर के रूप में विद्यमान है. यह ऐसी धरोहर है कि खर्च करने, नित्य उपयोग करने पर दिन दुगनी और रात चौगुनी बढ़ती है. इसके प्रयोग से चेहरा एक अद्भुत, अपूर्व दीप्ति से जगमगाने लगता है. अपूर्व आभा की अपूर्व कांति दिखाई देने लगती है, जिसे हम आत्मा के शांति प्रदायक प्रकाश पुंज की संज्ञा दे सकते हैं.

राग, द्वेष, हिंसा आदि से रहित एक नवीन विश्व की संकल्पना हेतु 'क्षमा' को जन जन तक पहुँचाने की आवश्यकता अब पहले से कहीं अधिक है. आतंकवाद, हिंसा, अहंकार और घृणा से मुक्त कल्याणमयी विश्व की स्थापना में क्षमा की भावना, अहिंसा के सिद्धांत और मैत्री भाव के संदेश को समस्त विश्व में पहुँचाने हेतु पर्यूषण महापर्व में संवत्सरी को हमें संकल्प दिवस के रूप में मनाना चाहिए.

राष्ट्रीय अध्यक्ष का राज्यों का दौरा

प्रिय स्वजन,

लगभग 4 वर्ष पूर्व भारतीय जैन संघटना के राष्ट्रीय अध्यक्ष पद ग्रहण के तुरंत पश्चात आयोजित हुई 'परिवर्तन यात्रा' में भारत भ्रमण करने का सौभाग्य मुझे प्राप्त हुआ था. इस यात्रा में 14 राज्यों के 100 से अधिक शहरों/नगरों के जैन समाज को संबोधित कर उन्हें सामाजिक समस्याओं एवं सामाजिक चुनौतियों से आगाह करने के साथ समाज व सामाजिक उत्थान विकास के कार्यों के महत्व तथा आवश्यकता से परिचित कराने के महत्वपूर्ण उत्तरदायित्व का निर्वहन किया था. समाज व राष्ट्र निर्माण में बीजेएस की भूमिका से अवगत करवाते हुए इस यात्रा में समाजजन को बीजेएस से जुडने की अपील की थी. मुझे सहर्ष सूचित करना है कि गत 4 वर्षों में बीजेएस नेटवर्क को आशातीत व्यापकता प्राप्त हुई है.

राष्ट्रीय अध्यक्ष पद के उत्तरदायित्वों के अधीन मेरा गत वर्षों में भिन्न-भिन्न राज्यों में आयोजनों, कार्यक्रमों, सभाओं आदि में नियमित रूप से आना-जाना होता रहा है किन्तु आयोजनबद्ध तरीके से राज्य स्थित जैन समाज के बीच उपस्थित होने की आवश्यकता को मैं काफी समय से महसूस कर रहा था. मुझे अत्यंत ही प्रसन्नता है कि मैंने गुजरात, मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश, तमिलनाडु, राजस्थान, दिल्ली व महाराष्ट्र के दौरे गत कुछ माह में सम्पन्न किए. प्रत्येक बड़े राज्य के 15 से 20 शहरों/नगरों के बीजेएस पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं को मार्गदर्शन देने के साथ उनमें नवऊर्जा संचार करने में सफलता मिली. इसके साथ ही समाजजन विशेषकर महिलाओं एवं युवा वर्ग को मिलने, उनसे विचार-विमर्श करने तथा उन्हें बीजेएस से जुडने हेतु प्रेरित किया. अनेक स्थलों पर नए चेप्टर्स का गठन मेरी उपस्थिति में हुआ जो यात्रा के उद्देश्य को कुछ सीमा तक सिद्ध करने का संकेत है.

राज्य स्थित जैन समाज के साथ स्थाई व गहन सम्बन्धों का विकास भारतीय जैन संघटना के लक्ष्यों में है, जिसे आयोजनबद्ध यात्राओं से हासिल किया जाना चाहिए. बीजेएस के राज्य पदाधिकारियों का नियमित दौरा निश्चित ही जैन समाज को एक कड़ी में जोड़ने का कार्य करेगा. बीजेएस नेटवर्क गांवों के स्तर तक फैला है अतः मैं जिला पदाधिकारियों से भी अपील करता हूँ कि उनके जिले के शहरों/नगरों का वे स्वयं भ्रमण करें, समाज जन से विचार- विमर्श कर उन्हें सामाजिक आयोजनों हेतु प्रेरित करें.

मेरा प्रयास रहेगा कि समय की अनुकूलताओं के अनुरूप दिसंबर माह में बैंगलोर में आयोजित होने वाले राष्ट्रीय अधिवेशन से पूर्व मैं कुछ और राज्यों के शहरों/नगरों का भ्रमण कर सकूँ. राज्य व जिला पदाधिकारियों से भी प्रार्थना है कि बीजेएस के कार्यक्रमों को लेकर समाजजन के समक्ष उपस्थित होने के उद्देश्य से आयोजनबद्ध यात्रा प्रवास के उनके कार्यक्रम भी निर्धारित करें.

प्रफुल्ल पारख
राष्ट्रीय अध्यक्ष, भारतीय जैन संघटना

उत्तर प्रदेश

गुरुवार 16/08/18 गाज़ियाबाद , मेरठ, खतौली, मुजफ्फरनगर
शुक्रवार 17/08/18 रुड़की, सहारनपुर, शामली
शनिवार 18/08/18 अलीगढ़, एटा, मैनपुरी
रविवार 19/08/18 फिरोज़ाबाद, आगरा

तमिलनाडु

मंगलवार 28/8/18 जयपुर, टोंक, बूंदी, कोटा
बुधवार 29/8/18 बारां, झालरापाटन, रावतभाटा
गुरुवार 30/8/18 चित्तोड़, भीलवाड़ा, बिजयनगर, नसीराबाद
शुक्रवार 31/8/18 पाली, पिपाडसिटी

राजस्थान

मंगलवार 21/8/18 साहूकार पेठ, वेपरी (महिला विंग), वेपरी (पुरुष विंग) चेन्नई
बुधवार 22/8/ 18 कांचिपुरम, पोंडिचेरी, कुड्डलूर, चिदंबरम
गुरुवार 23/8/ 18 सिरकाली, कुंभकोणम, त्रिचिरापल्ली
शुक्रवार 24/8/ 18 सेलम, इरोड

बीजेएस राष्ट्रीय महासचिव श्री राजेन्द्र लुंकर ने किया कर्नाटक राज्य का दौरा

कर्नाटक बीजेएस प्रदेशाध्यक्ष श्री दिनेश पालरेचा व राज्य सचिव श्री जयंतीलाल धानेशा ने राष्ट्रीय महासचिव श्री राजेन्द्र लुंकर के नेतृत्व में 16 से 19 अगस्त,2018 तक कर्नाटक राज्य के चिकमंगलुरु, हासन, मंगलुरु, शिवमोगा, चित्रदुर्गा, हुबली, गदग, कोप्पल, होसपेट, रायचूर और बेल्लारी आदि नगरों/शहरों का भ्रमण कर सभाएं आयोजित कीं जिनमें बीजेएस के स्थानीय पदाधिकारियों के अतिरिक्त कार्यकर्ताओं व समाजजन ने उत्साह के साथ भाग लिया. श्री राजेन्द्र लुंकर ने बीजेस संचालित विभिन्न समाजलक्षी परियोजनाओं, कार्यक्रमों व विषेशरूप से महाराष्ट्र अकालमुक्त अभियान पर प्रकाश डाला तथा सभी से समाज के उत्थान विकास में सहभागिता करने की अपील की. श्री दिनेश पालरेचा ने स्मार्ट गर्ल कार्यक्रम के महत्व एवं आयोजन की आवश्यकता पर प्रकाश डाला व इसे आयोजित करने की प्रार्थना की. श्री जयंतीलाल धानेशा ने बदलते हुए व्यापार की

स्थितियों पर प्रकाश डालते हुए आगामी 1 से 5 अक्टूबर तक बीजेस व्दारा iBud दुबई टूर में युवाओं को जुडने का आग्रह किया तथा 15 व 16 दिसंबर को बेंगलूरू में आयोजित होने वाले दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लेने का निमंत्रण दिया. इस दौरे के समय विभिन्न स्थानों पर वृक्षारोपण भी किये गये.

भारतीय जैन संघटना का प्रथम नेशनल बिज़नेस कॉन्क्लेव सम्पन्न

युवा वर्ग एवं विशेषकर जैन युवा साथियों को व्यवसाय की तरफ आकर्षित करने व परंपरागत व्यवसाय के समक्ष खड़ी चुनौतियों से सावधान करने, चुनौतियों को स्वीकारने की आवश्यक सुसज्जता का विकास तथा समय की मांग के अनुरूप व्यवसाय के तरीकों मे आवश्यक परिवर्तन लाने के महत्व से परिचित करने के उद्देश्य से भारतीय जैन संघटना उसके 'व्यापार विकास अभियान' के तहत iBuD tour एवं 'बदलोगे तो बढ़ोगे' सेमिनार आदि का आयोजन गत अनेक वर्षों से कर रहा है.

इसी श्रंखला में प्रथम **'नेशनल बिजनेस कॉन्क्लेव'** का आयोजन इंदौर में 1 व 2 सितंबर, 2018 को बीजेएस 'व्यापार विकास अभियान' के राष्ट्रीय संयोजक श्री राकेश जैन प्रखर, इंदौर के नेतृत्व में हुआ जिसका उद्देश्य जैन युवा व्यवसाईयों/उद्यमियों को नवीन दिशा, दृष्टी और निश्चित दिशा-निर्देश सुलभ कराना था. इस आयोजन की मुख्य अवधारणा 'सीखो-आगे बढ़ो एवं सफलता प्राप्त करो' थी.

इस दो दिवसीय **बिज़नेस कॉन्क्लेव** में विभिन्न सत्र जैसे कि Growth Strategy, Good to great, Funding Options, Technology, food & Agribusiness, Selling on-line, Startup Dream Stories, Negotiation Power, B2B Potential, Life Management, Future of Business आदि सम्मिलित किए गए थे. देश भर से पधारे विशेषज्ञों तथा वक्ताओं ने व्यवसाय के बदलते स्वरूप तथा व्यवसाय में सफलताओं की संभावनाओं पर उनके अनुभव साझा करते हुए प्रतिभागियों में गहरी अंतर्दृष्टि विकसित करने के सफल प्रयास किए. 25 विशेषज्ञ वक्ताओं सहित विभिन्न राज्यों से आए सभी 275 प्रतिभागियों को इंदौर की TGB होटल में ठहराया गया था जहां रात्रि व द्वितीय दिवस के प्रातःकाल परस्पर वार्तालाप से जैन समुदाय के परस्पर सहयोग आधारित व्यापार मंच की स्थापना के संदर्भ में उनमें हुआ वैचारिक आदान-प्रदान, कल्पनाओं से कहीं अधिक परिणाम जनक रहा. युवा प्रतिभागियों को उनके व्यवसाय, व्यावसायिक सफलताओं के नए पाठ पढ़ने को मिले जिससे उन्हें सकारात्मक सोच के साथ सफलताओं के निश्चित मार्ग पर चलने का आत्मविश्वास संपादित हुआ. मल्टीनेशनल कंपनियां छोटे व्यवसायियों को दे रही चुनौतियाँ, उत्पादन लागत घटाने, समय के साथ चलने, टेक्नोलोजी आधारित व्यवसाय को अपनाने, ऑनलाईन बिजनेस आदि के महत्व पर विशेषज्ञों द्वारा महत्वपूर्ण जानकारी व मार्गदर्शन दिया गया.

प्रतिभागियों ने तथा विशेष तौर पर विशेषज्ञ वक्ताओं ने इस आयोजन की प्रशंसा करते हुए इसे समाज हेतु आवश्यक बतलाया तथा इसे बीजेएस के वार्षिक कार्यक्रम कलेंडर में स्थान देने का आग्रह किया.

बिज़नेस कॉन्क्लेव का शुभारंभ दीप प्रज्जवलन से हुआ जिसमें राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री प्रफुल्ल पारख, राष्ट्रीय सचिव श्री संजय सिंघी सहित मध्यप्रदेश बी जे एस के पदाधिकारी उपस्थित रहे. समापन समारोह में श्री प्रफुल्ल पारख का उद्बोधन प्रतिभागियों में ऊर्जा संचार करने हेतु पर्याप्त रहा. श्री अनिल रांका एवं उनकी टीम ने आयोजन को अथक परिश्रम से सफल एवं परिणामलक्ष्य बनाया.

बिज़नेस कॉन्क्लेव एक नजर मे

- 275 युवा प्रतिभागी
- 25 विशेषज्ञ एवं वक्ता
- 10 बिजनेस सत्र
- रात्री एवं प्रातः विशेष सत्र
- राष्ट्रीय अध्यक्ष की उपस्थिति
- इंदौर की ग्रांड भगवति में हुआ आयोजन
- वक्ताओं ने उनके अनुभव किए साझा
- विशेषज्ञों ने कहा ऐसे आयोजन देश के अन्य समुदायों में होते ही नहीं
- समापन समारोह में श्री प्रफुल्ल पारख का आकर्षक व प्रेरणामयी उद्‌भोधन
- इंदौर टीम के अथक परिश्रम से संभव हुआ आयोजन

- सुश्री रुझान ख़म्बाटा- रसना
- सुश्री वीणु जैन व सुश्री हर्षिता जैन- सीईजी लिमिटेड
- श्री अमित कुमठ- यलो डायमंड
- डॉ. डी. एल. सुंदर – डीन एंटरप्रेनरशिप-आईआईएम इंदौर
- श्री अभिषेक संघवी -स्वान एंगल नेटवर्क
- श्री अशोक जैन- अरिहंत कैपिटल
- पंडित श्री विजय शंकर मेहता- लाइफमैनेजमेंट गुरु
- श्री विनय छजलानी- वेबदुनिया
- श्री सिद्धार्थ सेठी- इन्फोबीन्स
- श्री अक्षय जैन- ई एंड वाय
- श्री सुमित मारू- लॉजिकव्यू एनालिटिक्स
- श्री अशोक बडजात्या- हिंदुस्तान फासफेट
- श्री विनय सिंघल- विट्टीफीड
- सुश्री अदिति चौरसिया-एन्जिनीरबाबु
- श्री अभिनीत अग्रवाल- पल्पीपपाया
- श्री अचल चौधरी- आईपीएस एकेडमी
- श्री कमल किशोर जैन- ग्लोबल नेगोशिएशन स्ट्रेटेजिस्ट आईआईएम
- श्री देवेन्द्र सुराणा-भाग्यनगर ग्रुप, तेलंगाना, एफआईसीसीआई

समारोह के अतिथि एवं प्रायोजक

- श्री हेमंत सोमानी
- श्री कल्पक गाँधी
- श्री ललित छल्लानी

मास्टर ऑफ सेरेमनी:

- श्री प्रफुल्ल पारख- बीजेएस
- श्री राकेश जैन- बिज़नेस गुरु
- श्री अनिल रांका- ज्वेलरी क्युरिस्ट
- सी.ए. श्री मनीष डफरिया
- सी.ए. श्री प्रवीण जैन
- सी.ए. श्री अशोक जैन
- श्री पियूष जैन
- सी.ए. श्री नवीन खंडेलवाल

विभिन्न शहरों में स्मार्ट गर्ल कार्यशालाएँ संपन्न

दिनांक	स्थान	प्रतिभागी संख्या	ट्रेनर नाम
1-2 अगस्त	बेलगावी (कर्नाटक)	75	श्रीमती अस्मिता देसाई
4-5 अगस्त	चित्रदुर्ग (कर्नाटक)	84	श्रीमती अस्मिता देसाई
8-9 अगस्त	शिवमोगा (कर्नाटक)	64	श्रीमती अस्मिता देसाई
3-4 अगस्त	खरगोन (म.प्र.)	65	श्री रत्नाकर महाजन
15-16 अगस्त	अहमदनगर (महाराष्ट्र)	69	श्री रत्नाकर महाजन
15-16 अगस्त	महाड (महाराष्ट्र)	43	श्री रत्नाकर महाजन
15-16 अगस्त	राजकोट (गुजरात)	200	श्रीमती दर्शना कोठारी
17-18 अगस्त	जामनगर (गुजरात)	60	श्रीमती जान्हवी नागपाल व श्रीमती प्रतीक्षा राजानी
18-19 अगस्त	वलसाड (गुजरात)	46	श्रीमती अस्मिता देसाई
18-19 अगस्त	सोलापुर (महाराष्ट्र)	70	श्रीमती सुवर्णा कटारे व श्रीमती प्रगति गांधी
19-20 अगस्त	आगर मालवा (म.प्र.)	44	श्री रत्नाकर महाजन
19-20 अगस्त	जबलपुर (म.प्र.)	27	डॉ. विमल कुमार जैन
23-24 अगस्त	वाशिम (महाराष्ट्र)	71	श्री रत्नाकर महाजन
29-30 अगस्त	चित्रदुर्ग (कर्नाटक)	72	श्रीमती अस्मिता देसाई
29-30 अगस्त	जबलपुर (म.प्र.)	33	डॉ. विमल कुमार जैन
29-30 अगस्त	जबलपुर (म.प्र.)	33	श्रीमती मंजुला जैन
30-31 अगस्त	बेल्लारी (कर्नाटक)	80	श्रीमती अनुराधा टिगडी
31 अगस्त	सिल्लोड (महाराष्ट्र)	100	श्री अभिषेक ओसवाल
10-11 अगस्त	नागपुर (महाराष्ट्र)	60	श्रीमती किरण मूंदड़ा

युवक युवती परिचय सम्मेलन संपन्न

- 5 अगस्त 2018, स्थान- भिक्षु निलयम, राजसमन्द (राजस्थान), पंजीकृत प्रतिभागी- 123, संचालन: श्री नवीन चोरडिया
- 15 अगस्त 2018, यशदा, पुणे (महाराष्ट्र), पंजीकृत प्रतिभागी-189, संचालन : श्री प्रफुल्ल पारख
- 19 अगस्त, बडनेरा रोड, अमरावती (महाराष्ट्र), पंजीकृत प्रतिभागी- 624, संचालन: श्री अमर गाँधी

अल्पसंख्यक छात्रवृत्तियाँ ऑनलाईन आवेदन प्रक्रिया एवं पद्धति पर गुजरात में प्रशिक्षण शिविर आयोजित

19 अगस्त, 2018 को भारतीय जैन संघटना, सुरेन्द्रनगर नगर द्वारा प्रशिक्षण शिविर का आयोजन वढ़वानसिटी में किया गया, जिसमें 21 कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षक प्रशिक्षण प्रदान किया गया. भारतीय जैन संघटना संचालित अल्पसंख्यक लाभ जन जागृति अभियान के राष्ट्रीय संयोजक एवं मुख्य प्रशिक्षक श्री निरंजन जुंवा जैन ने प्रशिक्षण प्रदान किया

अल्पसंख्यक छात्रवृत्तियाँ
विद्यार्थियों के लिए महत्वपूर्ण सूचना
विद्यार्थी अब रजिस्ट्रेशन प्रोफ़ाइल मे परिवर्तन कर सकेंगे

ऑनलाईन आवेदन करने हेतु विद्यार्थी को प्रथम नेशनल पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन करना होता है, जिसमें किसी तरह की त्रुटि रह जाने पर अब तक उन्हें सुधारने की व्यवस्था का प्रावधान नहीं था. किन्तु अब अल्पसंख्यक मंत्रालय ने हाल ही में व्यवस्था की है जिसमें विद्यार्थी रजिस्ट्रेशन में प्रस्तुत (Submit) की गयी जानकारी को त्रुटि रह जाने की स्थिति में बदल सकता है.

सुधार की प्रक्रिया

1. नेशनल पोर्टल पर विद्यार्थी 'student login 2018-19' की पासवर्ड डालकर आवश्यक कार्यवाही पूर्ण करें
2. 'Update Registration' को क्लिक करे
3. विद्यार्थी को उसके पंजीकृत मोबाईल पर OTP प्राप्त होगा
5. अब खुले हुए REGISTRATION BOX में आवश्यक सुधार करें

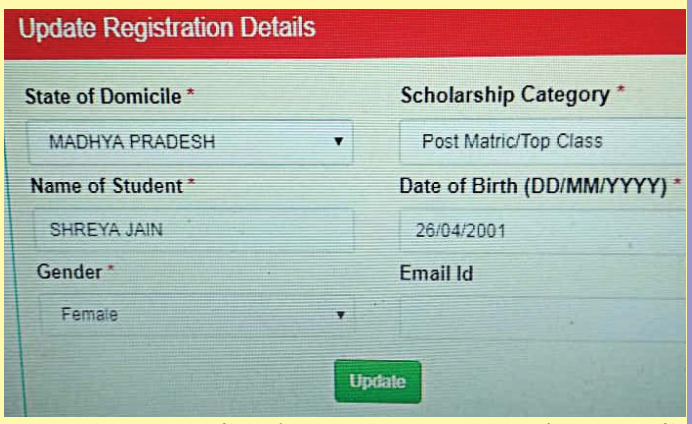

विद्यार्थी ध्यान दें कि बैंक एकाउंट नंबर, आधार कार्ड नंबर आदि में परिवर्तन करने का प्रावधान नहीं है. विद्यार्थी जो रजिस्ट्रेशन करने में रह गयी त्रुटियों के कारण उनकी ONLINE APPLICATION की प्रक्रिया पूर्ण करने में असमर्थ थे, अब एक अवसर प्राप्त कर सकेंगे.

अल्पसंख्यक छात्रवृत्ति योजनाएं- विद्यार्थी के बैंक एकाउंट से संबंधित महत्वपूर्ण मार्गदर्शन

(1) पोस्ट मेट्रिक एवं मेरिट कम मीन्स छात्रवृत्ति योजनाओं में विद्यार्थी के नाम का बैंक एकाउंट आवश्यक है.

(2) प्री मेट्रिक छात्रवृत्ति योजना - अल्पसंख्यक मंत्रालय के विभिन्न आदेशों, वेबसाइट पर उपलब्ध योजना विवरण व नेशनल पोर्टल में दी गई गाईडलाइंस आदि में बैंक एकाउंट के संदर्भ में अलग-अलग सूचनाएं पढ़ने को मिलती हैं, जिसके कारण कुछ भ्रम व असमंजस की स्थिति बन रही है.

कृपया निम्न का ध्यान रखें :

(A) श्रेष्ठ तो विद्यार्थी का स्वयं का बैंक एकाउंट होगा

(B) यदि संयुक्त एकाउंट है तो विद्यार्थी का नाम प्रथम और पिता/माता या संरक्षक का नाम द्वितीय स्थान पर होना चाहिए. उदाहरण "अशोक जैन एवं नितिन जैन". यहां अशोक विद्यार्थी है और नितिन पिता हैं. (माता/पिता के नाम का जनधन बैंक एकाउंट अब काम में नही आएगा)

महत्वपूर्ण

1. बैंक एकाउंट KYC होना चाहिए
2. बैंक एकाउंट विद्यार्थी के आधार से लिंक होना आवश्यक है.
3. बैंक एकाउंट 'डोरमेंट' न हो अन्यथा छात्रवृत्ति राशी बैंक एकाउंट में transfer नहीं होगी (विद्यार्थी के खाते में साधरणतः लेन-देन होता नहीं अतः खाता 'डोरमेंट' न हो यह अभिभावकों को सुनिश्चित करते रहना होगा)

अल्पसंख्यक छात्रवृत्ति योजनाओं के अंतर्गत शिक्षण संस्थाओं के रजिस्ट्रेशन संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी

विद्यार्थी ध्यान दें कि अल्पसंख्यक मंत्रालय भारत सरकार द्वारा संचालित प्री-मेट्रिक, पोस्ट-मेट्रिक एवं मेरिट-कम-मीन्स योजनाओं में विद्यार्थियों के लिए आवेदन की अंतिम तिथि 30.9.18 है और शिक्षण संस्थानों द्वारा ऑनलाईन वेरिफिकेशन नियमानुसार करने की अंतिम तिथि 15.10.18 है.

जिन शैक्षणिक संस्थाओं के नाम अल्पसंख्यक नेशनल स्कोलरशिप छात्रवृत्ति पोर्टल पर प्रदर्शित नहीं हो रहे हैं उन्हें संबन्धित विभाग जैसे स्कूल रजिस्ट्रेशन (DISE CODE) हेतु स्कूल शिक्षा विभाग, कॉलेज/विश्वविद्यालय रजिस्ट्रेशन (AISHE CODE) हेतु मानव संसाधन विकास मंत्रालय एवं ITI (इंडस्ट्रियल एवं वोकेशनल) संस्थान हेतु National Council for Vocational Training (NCVT) के माध्यम से प्राप्त कर नेशनल स्कोलरशिप छात्रवृत्ति पोर्टल पर INSTITUTE LOGIN से UPDATE PROFILE में अपलोड करें. स्कूलों द्वारा स्कूल शिक्षा विभाग के माध्यम से NUEPA की वेबसाईट nuepa.org पर जाकर NUEPA के डेटा-बेस में स्कूल को जोड़ने की कार्यवाही सुनिश्चित करें.

सरकारी आदेशनुसार देश की समस्त शासकीय/अशासकीय शैक्षणिक संस्थाओं के प्रमुखों/संचालकों/प्राचार्यों/ रजिस्ट्रार/कुलपतियों को उपरोक्त निर्धारित समयावधि में कार्यवाही पूर्ण करनी होगी. यह सुनिश्चित करना है कि प्रत्येक संस्था द्वारा दिनांक 15.10.18 तक सभी विद्यार्थियों के आवेदनों को ऑनलाईन वेरिफिकेशन कर अग्रेषित (forward) करें अन्यथा विद्यार्थियों के आवेदन स्वीकृत न होने की दशा में संबन्धित संस्था दोषी मानी जाएगी.

विद्यार्थी/अभिभावक संबंधित शिक्षण संस्थान को उपरोक्त नियम से अवगत कराते हुए आवश्यक कार्यवाही करने की प्रार्थना कर सुनिश्चित करें कि उनका आवेदन वेरिफिकेशन 15.10.18 तक कर दिया गया है.

छात्रवृत्ति ऑनलाईन आवेदन शिविर का आयोजन

भारतीय जैन संघटना मलकापुर (जिला बुलढाणा) द्वारा सुमतिनाथ श्वेतांबर जैन मंगल कार्यालय में 19 अगस्त को प्रातः 10 से साँय 5 बजे तक जैन समुदाय के विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति मार्गदर्शन दिया गया एवं ऑनलाईन आवेदन करने की प्रक्रिया पूर्ण की गई. बीजेएस प्रशिक्षित श्री अक्षय विकमशी, खामगांव ने 45 विद्यार्थियों के ऑनलाईन आवेदन करने की अमूल्य सेवाएँ प्रदान की.

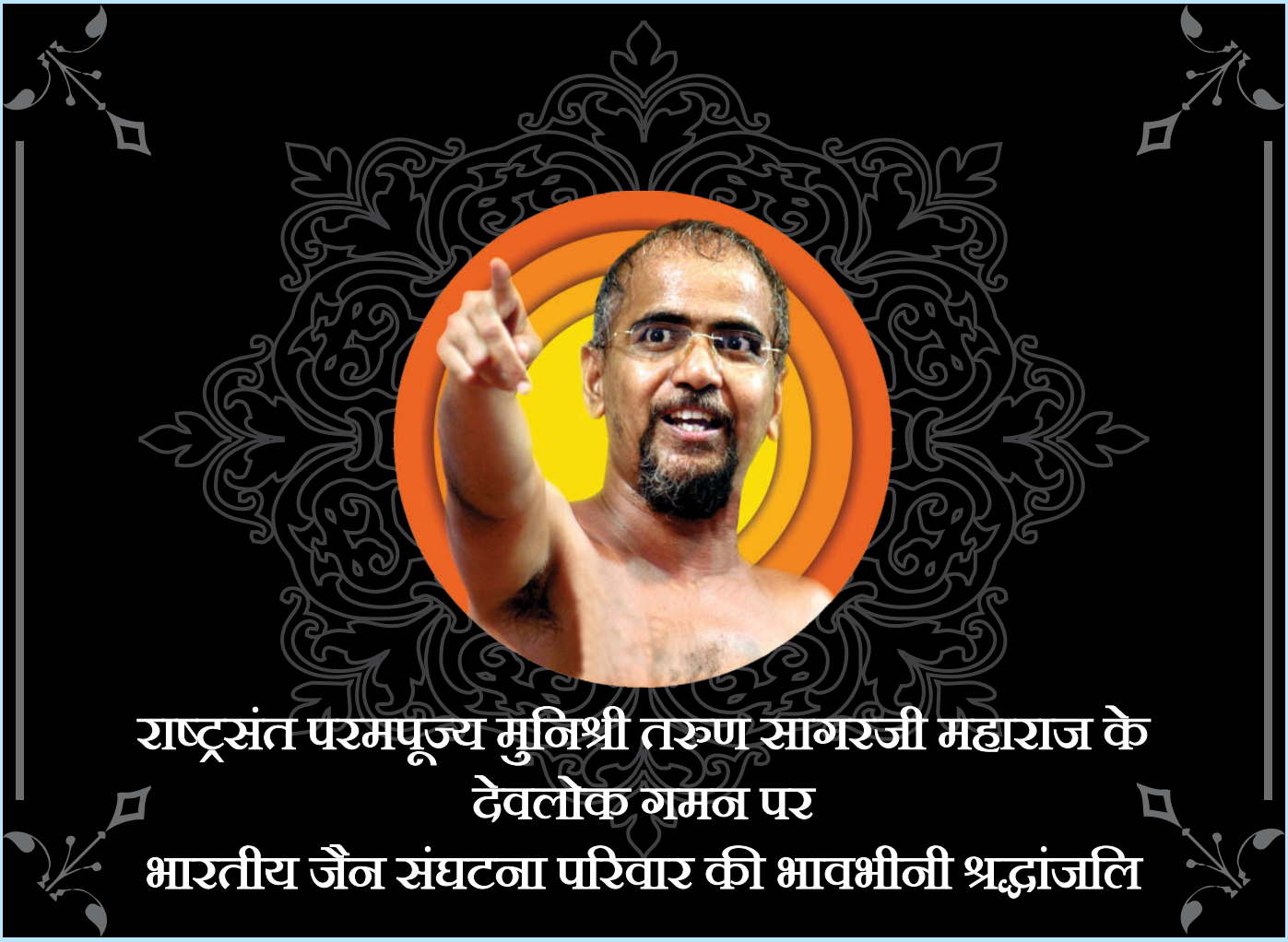

राष्ट्रसंत परमपूज्य मुनिश्री तरुण सागरजी महाराज के देवलोक गमन पर भारतीय जैन संघटना परिवार की भावभीनी श्रद्धांजलि

To,

RNI No.-MAHBIL/2016/66409
Postal Registration No.-PCE / 089 / 2016-2018
License to Post without prepayment No.-WPP-255/31.12.2018
Post Customer ID 4000004011
Published on 07.09.2018
Posted at Market Yard PSO, Pune On-10.09.2018

If undelivered Please Return To

BJS
Bharatiya Jain Sanghatana

Muttha Chambers II, Senapati Bapat Road, Pune 411016
Tel. : 020 6605 0220
Website: www.bjsindia.org **Email :** info@bjsindia.org **Facebook :** www.facebook.com / BJSIndiacommunity **Tweeter :** BJS_India

मुद्रक तथा प्रकाशक – प्रफुल्ल पारख द्वारा भारतीय जैन संघटना के लिये प्रभात प्रिंटिंग वर्क्स, 427, गुलटेकड़ी, पुणे – 411037 से मुद्रित तथा मुथ्था चेम्बर्स -२ , सेनापति बापट मार्ग, पुणे – 411016 से प्रकाशित. सम्पादक – प्रफुल्ल पारख, फ़ोन – (020) 6605 0220